

संपादकीय

किसका अलायस बड़ा

दि लखस्य बात है कि विष्णी पार्टीयां जब बेंगलुरु में मंगलवार को एकता की प्रक्रिया को अपेक्षाने के तरीकों पर विचार-विमर्श कर रही थीं, तभी दिल्ली में एनडीए के सहयोगी दलों की भी मीटिंग चल रही थी बेंगलुरु में 26 पार्टीयां थीं तो दिल्ली की बैठक में 38 दल। दोनों खंडों की एक ही दिन बैठक से मामला स्वाधारिक ही तुलनात्मक हो गया। अगर एनडीए की मीटिंग नहीं होती तो मीटिंग के साथ ही दसवासियों का भी पूरा ध्यान विष्णी दलों की बैठक पर होता, तिसे इन्हीं भी सिर्फ उसी बैठक की होती। राजनीति में हर खिलाड़ी अपने प्रतिद्वंद्वी की एक-एक चाल पर नजर बनाए रखता है। ऐसे में अगर एनडीए बैठक की टाईमिंग जानबूझकर ऐसी रखी गई हो तो इसमें भी अश्वय की कोई बात नहीं, न ही इसे किसी भी रूप में गलत कहा जा सकता है। खैर, विष्णी का दावा है कि अपोजिशन पार्टीयों की एकता की कोशिशें कामबाब होते देख सतारूढ़ बीजेपी घबरा गई है। इसीलिए वह अचानक एनडीए में सामिल दलों को संख्या बढ़ाने का प्रयास कर रही है। बरना प्रधानमंत्री संसद में कह चुके हैं कि वह अकेले सब पर भारी है। कुछ समय पहले तक बीजेपी पर वहाँ पल रहा था कि वह एनडीए के सहयोगी दलों को ज्यादा तबज्जों नहीं दे रही। किसानों के मुद्रे पर अकाली दल जैसे उसके पुणे सहयोगी ने बीजेपी का साथ छोड़ दिया था तो शिवसेना (अविभाजित) जैसे पुराने पार्टीन और उसके नेता उद्धव ठाकरे ने भी उपेक्षा की आरोप लगाकर किनारा कर लिया था। मगर इन आरोपाओं को एक हद से ज्यादा अहमियत नहीं दी जा सकती। हर पार्टी हालात के मुताबिक अपनी रणनीति में बदलाव करती रहती है। अगर किसी खास परिस्थिति में बीजेपी ने उत्तर को अपनी पार्टी का विचार ज्यादा जरूरी लगा और उसने किसी खास राज्य में अकेले चलने का मन बनाया तो इसका मतलब यह नहीं कि बदले हालात में वह समान विचारों वाली पार्टीसे से तालमेल बनाने की कोशिश नहीं कर सकती। उसने ऐसी कोशिश की और उसे पॉजिटिव रिसॉन्स भी मिला। शिवसेना और एनसीपी के उसके पास आए थे ही नहीं, बिहार में जीतन राम मंडी, चिराग पासवान और उपेक्षा कुशवाहा जैसे एनडीए से अलग हो चुके नेता भी वापस आ गए। वह बात सही है कि जो 38 पार्टीयां एनडीए की बैठक का हिस्सा बताते हैं तो उन्हें ही जिनका संसद में कोई प्रतिनिधित्व नहीं है। लेकिन वह विष्णी द्वारा या सत्ता पक्ष, दोनों को अपर से किए जा रहे एकता प्रयासों का मकसद 2024 के लोकसभा चुनावों में बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करना ही है और बेहतर चुनावी प्रदर्शन के लिए लोकसभा सीटों से ज्यादा जरूरी चोटीं का समर्थन होता है। अगर वे छोटे दल भी अपने-अपने इलाकों के खास बोर्ड बेस का समर्थन सुनिश्चित कर देते हैं तो इस पहल का मामला जाएगा।

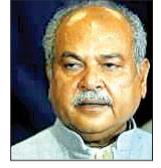
मंगलवार का दिन भारतीय दाजनीति के लिए काफी अहम था। एक तरफ बेंगलुरु ने विष्णी एकता की बैठक चल रही थी, तो दिल्ली में बीजेपी अपने साथियों को एकगुट करके शक्ति प्रदर्शन करने गे जुटी थी। विष्ण के साथ 26 दल थे तो एनडीए के साथ 38 दल।

करती रहती है। अगर किसी खास परिस्थिति में बीजेपी ने उत्तर को अपनी पार्टी का विचार ज्यादा जरूरी लगा और उसने किसी खास राज्य में अकेले चलने का मन बनाया तो इसका मतलब यह नहीं कि बदले हालात में वह समान विचारों वाली पार्टीसे से तालमेल बनाने की कोशिश नहीं कर सकती। उसने ऐसी कोशिश की और उसे पॉजिटिव रिसॉन्स भी मिला। शिवसेना और एनसीपी के उसके पास आए थे ही नहीं, बिहार में जीतन राम मंडी, चिराग पासवान और उपेक्षा कुशवाहा जैसे एनडीए से अलग हो चुके नेता भी वापस आ गए। वह बात सही है कि जो 38 पार्टीयां एनडीए की बैठक का हिस्सा बताते हैं तो उन्हें ही जिनका संसद में कोई प्रतिनिधित्व नहीं है। लेकिन वह विष्णी द्वारा या सत्ता पक्ष, दोनों को अपर से किए जा रहे एकता प्रयासों का मकसद 2024 के लोकसभा चुनावों में बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करना ही है और बेहतर चुनावी प्रदर्शन के लिए लोकसभा सीटों से ज्यादा जरूरी चोटीं का समर्थन होता है। अगर वे छोटे दल भी अपने-अपने इलाकों के खास बोर्ड बेस का समर्थन सुनिश्चित कर देते हैं तो इस पहल का मामला जाएगा।

अभिमत आजाद सिपाही

भारत में 1.4 अरब लोगों के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा लक्ष्य सुनिश्चित करने के लिए सर्टेनेबल कृषि आवश्यक है। माननीय प्रधानमंत्री नेट्रो नोटी जी के मार्गदर्शन ने, सायान और उर्वरक मंत्रालय ने रासायनिक फर्टिलाइजर के असतुलित उपयोग के समाधान के लिए सक्रिय पहल की है।

सर्टेनेबल फर्टिलाइजर के प्रबंधन के लिए भारत की नयी पहल



नरेंद्र सिंह तोमर

भारत में 1.4 अरब लोगों के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा लक्ष्य सुनिश्चित करने के लिए सर्टेनेबल कृषि आवश्यक है। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में, सायान और उर्वरक मंत्रालय ने रासायनिक फर्टिलाइजर के असतुलित उपयोग के समाधान के लिए सक्रिय पहल की है।

इन पहलों का उद्देश्य नीतियों में बदलाव, निवेश, वित्तीय सहायता, तकनीकी हस्तक्षेप और वैल्यू एडिशन के लिए राष्ट्रीय आवश्यकता है। वरना प्रधानमंत्री संसद में कह चुके हैं कि वह अकेले सब पर भारी है। कुछ समय पहले तक बीजेपी पर वहाँ पल रहा था कि वह एनडीए में सामिल दलों को संख्या बढ़ाने का प्रयास कर रही है। किसानों के मुद्रे पर अकाली दल जैसे उसके पुणे सहयोगी ने बीजेपी का साथ छोड़ दिया था तो शिवसेना (अविभाजित) जैसे पुराने पार्टीन और उसके नेता उद्धव ठाकरे ने भी उपेक्षा की आरोप लगाकर किनारा कर लिया था। मगर इन आरोपाओं को एक हद से ज्यादा अहमियत नहीं दी जा सकती। हर पार्टी हालात के मुताबिक अपनी रणनीति में बदलाव करती रहती है। अगर किसी खास परिस्थिति में बीजेपी ने उत्तर को अपनी पार्टी का विचार ज्यादा जरूरी लगा और उसने किसी खास राज्य में अकेले चलने का मन बनाया तो इसका मतलब यह नहीं कि बदले हालात में वह समान विचारों वाली पार्टीसे से तालमेल बनाने की कोशिश नहीं कर सकती। उसने ऐसी कोशिश की और उसे पॉजिटिव रिसॉन्स भी मिला। शिवसेना और एनसीपी के उसके पास आए थे ही नहीं, बिहार में जीतन राम मंडी, चिराग पासवान और उपेक्षा कुशवाहा जैसे एनडीए से अलग हो चुके नेता भी वापस आ गए। वह बात सही है कि जो 38 पार्टीयां एनडीए की बैठक का हिस्सा बताते हैं तो उन्हें ही जिनका संसद में कोई प्रतिनिधित्व नहीं है। लेकिन वह विष्णी द्वारा या सत्ता पक्ष, दोनों को अपर से किए जा रहे एकता प्रयासों का मकसद 2024 के लोकसभा चुनावों में बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करना ही है और बेहतर चुनावी प्रदर्शन के लिए लोकसभा सीटों से ज्यादा जरूरी चोटीं का समर्थन होता है। अगर वे छोटे दल भी अपने-अपने इलाकों के खास बोर्ड बेस का समर्थन सुनिश्चित कर देते हैं तो इस पहल का मामला जाएगा।

यूरिया सब्सिडी योजना का विस्तार : सीसीई

विस्तार : सीसीई ने 368,676.70 करोड़ रुपये आवधित कर यूरिया सब्सिडी को 31 मार्च, 2025 तक विस्तार दिया है। इस विस्तार में 2022-23 से 2024-25 तक के विवरण जैसे योजना का भलाई के लिए एक झोलू पैदल योजना का आवश्यकता के अनुकूल आवधित कर दिया गया है।

यूरिया सब्सिडी योजना का विस्तार से यह

उत्पादन में हुद्दी है,

जिससे पूरे देश के

किसानों का सही

यूरिया उत्पाद

होती है।

यूरिया सब्सिडी का विस्तार से यह

शामिल है।

मोदी सरकार ने

स्वेच्छा

देश में

यूरिया

पूरे देश में

पूर्ण रूप से

प्रभावित होता है।

यूरिया सब्सिडी का विस्तार दिया गया है।

गढ़वा

महत्वपूर्ण न्यूज

सैकड़ों वन आश्रित परिवार के सदस्यों ने सीओ को दावा पत्र सौंपकर वन पट्टा देने की मांग की



श्री बंशीधर नगर (आजाद सिपाही)। सैकड़ों की संख्या में वन आश्रित परिवार के सदस्यों ने सीओ अरुण मुंडा को दावा पत्र सौंपते हुए वन पट्टा देने की मांग की। इस संबंध में ओमप्रकाश चौबी ने राखड़ सरकार ने वन भूमि अधिकारी अधिनियम 2006 के तहत वन भूमि पर जात-कोड़ करने वाले लोगों को वन पट्टा देने के लिए दावा पत्र की मांग की है। सरकार के निर्देश पत्र डीसी ने सभी अंचल पदाधिकारी से इस संबंध में रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है। पीसीसी डेलीगेट सुशील चौबी ने इस दौरान कहा कि सरकार का निर्णय काफी सराहनीय है। वर्षों से जात-कोड़ करने वालों का वन पट्टा दिलाने के लिए कागिस पार्टी काम कर रही है। डीसी ने भी सभी अंचल को इस संबंध में पत्र लिखकर अवधारक कार्यवाही करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि आज सैकड़ों की तादाद में लोगों ने अपना-अपना दावा पत्र सौंप दिया है। अल्ट वन पट्टा परिवर्तन कागिस पार्टी इन्स्क्रिप्ट लिंक कागिस पार्टी द्वारा जारी की हो रही संभव मदद करेगी। इस दौरान कागिस के प्रखण्ड अध्यक्ष संजय प्रसाद, बबन पासवान, तेज़ पासवान, शनिवार अंसारी, भोला राम, मीना देवी, मुनिया देवी, बरती देवी, सोना देवी, सुनीता देवी, अयोध्या यादव, बैजू राम सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

पंसस की बैठक में प्रमुख ने की प्रत्यक्ष में संचालित योजनाओं की समीक्षा



रमना (आजाद सिपाही)। प्रखण्ड सभागार भवन में पंचायत समिति सदस्यों की बैठक प्रखण्ड प्रमुख करुणा सोनी की अध्यक्षता में बुधवार को की गई। बैठक में प्रखण्ड में संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई। जिसमें जेलपीएस, बाल विकास, वन विभाग, पशुपालन आदि विभागों की अनुपस्थिति पर प्रमुख ने नाराजी जारिकरते हुए कहा कि अधिकारीयों की विभागों की नियन्त्रण है। वही जनता की भलाई के लिए बुलाई गई बैठक में कई विभागों के अधिकारी अनुपस्थित हैं, वही कई विभागों ने खानपूर्ति का कार्य किया है जो नियन्त्रण है। कहा कि पंचायत समिति का ऐसा बिना पंचायत समितियों के अनुमोदन के खर्च किया जा रहा है। प्रमुख ने जिस अध्यक्ष शांति देवी पर सौनाला व्यवहार का आरोप लगाया है। वही अपने लोगों को प्रश्नाचार के लिए खुला छूट दे रखी है। बैठक में मुख्य रूप से राशन, पेयजल, विजली, शिशा, केसीसी, साविराई फुले योजन, मरेगा, 15वें वित सहित अन्य योजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में बीड़ीओं लिलित कुमार सिंह, थाना प्रभारी कुण्ठ कुमार कुशवाहा, 20 सूत्री अध्यक्ष मंसुर अंसारी, उप प्रमुख खंजीदा बीबी, प्रखण्ड राशना पदाधिकारी, एसीआई शाखा प्रबंध संघर्ष सीमा देवी, कविता विश्वकर्मी, रीना देवी, शांति देवी, सुनेया कुमारी, यमना सिंह, सुरदिव राम, बुधन सिंह सहित अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मी उपस्थित थे।

संबद्ध दिग्गी महाविद्यालय महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष ने वित संचिव से की वार्ता, अनुदान बढ़ाने का मिला आशासन



गढ़वा (आजाद सिपाही)। संबद्ध दिग्गी महाविद्यालय महासंघ के झारखण्ड प्रदेश अध्यक्ष डॉ नरेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में पत्थरगांव कॉलेज गोड्डा के प्राचार्य बसंत, जुबली कॉलेज भुजुर्णा रामगढ़ के आलोक कुमार सिंह, नीलांबर पंतप्रधार विश्वविद्यालय के अध्यक्ष विवेकानंद उपाध्याय, वित संचिव अजय कुमार सिंह से मंगलवार को मुलाकात की थी। उत्तरोंने आज पुनर दोपहर 3:00 बजे का समय बार्ता के लिए दिया था। निर्धारित वित संचिव झारखण्ड सरकार से मुलाकात के दौरान जो महासंघ के प्रतिनिधिमंडल के साथ बार्ता हुई, उसमें उन्होंने बताया कि आप लोगों का अनुदान बढ़ाने की स्वीकृति वित विभाग से मिल गयी है। जिसमें सी ग्रेड को दोगुणा, बी ग्रेड को 4 गुणा तथा ए ग्रेड को 6 गुणा अनुदान मिलेगा। वित संचिव ने बताया कि फाइल पर हस्ताक्षर हो गया है। अध्यक्ष की ओर से नैक ग्रेड से बाहर के लोगों को अनुदान बढ़ाने पर बार्ता हुई। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग से फाइल भेजवाएं उसे हम लोग स्वीकृत कर देंगे।

बैठक : उपायुक्त ने की 'कैच द रेन-2022' अंतर्गत क्रियान्वित योजनाओं की समीक्षा, दिये निर्देश

संष्ठित सभी विभाग कराये गये कार्यों का डेटा बेस भी उपलब्ध कराये

उपायुक्त ने एक डिस्ट्रिक्ट लेवल जल संरक्षण प्लान भी तैयार करने के लिए निर्देश

आजाद सिपाही संचालदाता

गढ़वा। जल शक्ति अधियान 'कैच द रेन-2022' अंतर्गत क्रियान्वित करायी जा रही योजनाओं की आज उपायुक्त शेर्खर जमुआर की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक की गयी। बैठक में जल शक्ति अधियान को लेकर एगे कार्यों यथा ट्रैच, सोकापिट, वृक्षरोपण समेत अन्य कार्यों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों के उनके द्वारा किया गया कार्यों को लेकर एगे कार्यों यथा ट्रैच, सोकापिट, वृक्षरोपण समेत अन्य कार्यों की समीक्षा बैठक की निर्देश दिया। उल्लेखनीय है कि दिसंग एगे कार्यों की समीक्षा राज्य के बैठक में योगदान दिया गया। पुस्तकालय के बाहर पेवर ब्लॉक लगाने एवं गेट ग्रिल की लीक कराये को लेकर कार्यपालक अधिकारी ने विशेष दिया गया। एक पुस्तकालय में जाहाज की देखते हुए उपायुक्त ने बीड़ोंसे एवं शीर्षकों को पुस्तकालय में प्रयोग से संतुष्ट होता है। उपर्युक्त को अधिकारीयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने विशेषित रूप से साफ सफाई करने के लिए बैठक पर घटे रहे थे, जसे देख उपर्युक्त ने भी पर एक दिन जिला भवन के बैठक द्वारा पढ़ाया गया। पुस्तकालय में वर्षायां एवं बीड़ोंसे एवं शीर्षकों की उपर्युक्त की देखते हुए उपर्युक्त ने बीड़ोंसे एवं शीर्षकों को पुस्तकालय में योगदान दिया गया। पुस्तकालय के प्रथम तलात पर एगे पुस्तकालय की व्यवस्था की जाएगी जो आयुनिक पुस्तकों एवं व्यवस्थाओं में लैस होगी और जिने के छात्र छात्राओं को पठन-पाठन की सहायता मिलेगी। निरीक्षण में कार्यपालक अधिकारीयों का उपर्युक्त की व्यवस्था की जाएगी। एक पुस्तकालय के निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने आवश्यकता देखते हुए उपर्युक्त को अधिकारीयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

आजाद सिपाही संचालदाता

गढ़वा। जल शक्ति अधियान 'कैच द रेन-2022' अंतर्गत क्रियान्वित करायी जा रही योजनाओं की आज उपायुक्त शेर्खर जमुआर की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक की गयी। बैठक में जल शक्ति अधियान को लेकर एगे कार्यों यथा ट्रैच, सोकापिट, वृक्षरोपण समेत अन्य कार्यों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों के उनके द्वारा किया गया कार्यों को लेकर एगे कार्यों यथा ट्रैच, सोकापिट, वृक्षरोपण समेत अन्य कार्यों की समीक्षा बैठक की निर्देश दिया। उल्लेखनीय है कि दिसंग एगे कार्यों की समीक्षा राज्य के बैठक में योगदान दिया गया। पुस्तकालय के बाहर पेवर ब्लॉक लगाने एवं गेट ग्रिल की लीक कराये को लेकर कार्यपालक अधिकारी ने विशेष दिया गया। एक पुस्तकालय में जाहाज की देखते हुए उपर्युक्त ने बीड़ोंसे एवं शीर्षकों को पुस्तकालय में प्रयोग से संतुष्ट होता है। उपर्युक्त को अधिकारीयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने विशेषित रूप से साफ सफाई करने के लिए बैठक पर घटे रहे थे, जसे देख उपर्युक्त ने भी पर एक दिन जिला भवन के बैठक द्वारा पढ़ाया गया। पुस्तकालय में वर्षायां एवं बीड़ोंसे एवं शीर्षकों की उपर्युक्त की देखते हुए उपर्युक्त ने बीड़ोंसे एवं शीर्षकों को पुस्तकालय में योगदान दिया गया। पुस्तकालय के प्रथम तलात पर एगे पुस्तकालय की व्यवस्था की जाएगी जो आयुनिक पुस्तकों एवं व्यवस्थाओं में लैस होगी और जिने के छात्र छात्राओं को पठन-पाठन की सहायता मिलेगी। निरीक्षण में कार्यपालक अधिकारीयों का उपर्युक्त की व्यवस्था की जाएगी। एक पुस्तकालय के निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने आवश्यकता देखते हुए उपर्युक्त को अधिकारीयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

श्रीकृष्ण पुस्तकालय का किया औचक निरीक्षण

गढ़वा (आजाद सिपाही)। उपायुक्त शेर्खर जमुआर के द्वारा श्रीकृष्ण अनुमंडल पुस्तकालय गढ़वा का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पुस्तकालय में कार्य संख्या में छात्र मजबूद हैं। कुछ छात्र चाहते हैं एवं बैठक पर घटे रहे थे, जसे देख उपर्युक्त ने भी पर एक दिन जिला भवन के बैठक द्वारा पढ़ाया गया। पुस्तकालय के बाहर पेवर ब्लॉक लगाने एवं गेट ग्रिल की लीक कराये को लेकर कार्यपालक अधिकारी ने विशेष दिया गया। एक पुस्तकालय में जाहाज की देखते हुए उपर्युक्त ने बीड़ोंसे एवं शीर्षकों को पुस्तकालय में प्रयोग से संतुष्ट होता है। उपर्युक्त को अधिकारीयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने विशेषित रूप से साफ सफाई करने के लिए बैठक पर घटे रहे थे, जसे देख उपर्युक्त ने भी पर एक दिन जिला भवन के बैठक द्वारा पढ़ाया गया। पुस्तकालय के प्रथम तलात पर एगे पुस्तकालय की व्यवस्था की जाएगी जो आयुनिक पुस्तकों एवं व्यवस्थाओं में लैस होगी और जिने के छात्र छात्राओं को पठन-पाठन की सहायता मिलेगी। निरीक्षण में कार्यपालक अधिकारीयों का उ

देश-विदेश / ओडिशा

श्रद्धालुओं के लिए श्रीमंदिर के चारों द्वार खोलने को लेकर मांग पत्र

प्रशासन सुने, वरना आंदोलन तेज होगा

आजाद सिपाही संबाददाता

भुवनेश्वर पुरी। पुरी जिलाधिकारी कायालय के समने सचेतन नागरिक मंच और विभिन्न अनुषान के जागरूक नागरिक मंच ने विशेष प्रश्न किये। श्रद्धालुओं के लिए श्रीमंदिर के चारों द्वार खोलने को लेकर मांग जोर पकड़ा है। पुरी शर्ट के विभिन्न संगठनों की ओर से श्रीमंदिर के चार द्वार खोलने की मांग का समर्थन किया है। इसके अलावा उन्होंने पुरी जिलाधिकारी से मुलाकात की और श्रद्धालुओं के लिए चारों द्वार खोलने का मांग पत्र दिया।



मेमू ट्रेन दुर्घटना से बची, दो कर्मचारी निलंबित

**ब्रिक्स समिट में शामिल नहीं होंगे पुतिन****रूस के विदेश मंत्री बैठक में भाग लेंगे**

एजेंसी

जोहान्सबर्ग। साउथ अफ्रिका में 22 से 24 अगस्त तक होने वाली ब्रिक्स समिट में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन शिरकत नहीं करेंगे। होटेल कंट्री साउथ अफ्रिका ने बुधवार को खुद यह ऐलान कर दिया। पुतिन की जगह रूस के फॉरें ब्रिनिस्टर सर्पेंट लावरोव समिट में शामिल होंगे।

दरअसल, ब्रिक्स समिट में पुतिन के शामिल होने को लेकर होटेल साउथ अफ्रिका पपरेपेंग में था। इसकी वजह यह है कि यूक्रेन पर हमले और वार इंडिया को लेकर रूसी सार्थक इंटरसेनल क्रिमिनल कोट वॉर्ट जारी कर चुका है और अगर वो जोहान्सबर्ग आते तो उनकी गिरफ्तारी का खतरा था। लिहाजा, साउथ अफ्रिकी और रूसी सरकार के बीच एप्रिल में हुआ और इसके साथ राजस्वाधी साउथ अफ्रिका के पास है। पुतिन के शामिल न होने के बारे में साउथ अफ्रिका ने कहा- हमने रस सरकार से इस बारे में बातचीत की थी। दोनों देश

**उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं का प्लेटफॉर्म**

ब्रिक्स उभरती हुई इकेनैनीज का प्लेटफॉर्म है। इसमें पांच देश शामिल हैं और पांचों देशों के नाम के पहले अल्फबेट को लेकर बीआरआइसीएस शब्द बना है। ये पांच देश हैं- ब्राजील, रूस, इंडिया, चीन और साउथ अफ्रिका। फिलहाल, ब्रिक्स की चेयरमैनशिप साउथ अफ्रिका के पास है। पुतिन के शामिल न होने के बारे में खबरों ने बातचीत की थी। दोनों देश

जारी किया था। उन पर आरोप है कि उन्होंने यूक्रेन पर हमले के दौरान गैरकानूनी तौर पर यूक्रेनी में जानकारी दी गई।

आसीसी ने इसी साल मार्च में पुतिन के खिलाफ अरेस्ट वॉर्ट

जारी किया था। उन पर आरोप है कि वे उन्होंने यूक्रेन पर हमले के दौरान गैरकानूनी तौर पर यूक्रेनी

को निलंबित किया है।

शेख हसीना के खिलाफ सड़क पर उतरे हजारों लोग

एजेंसी

नयी दिल्ली। बांगलादेश की राजधानी ढाका में प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ बृद्धवार को हजारों की तादाद में लाग सड़कों पर उतरे। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक ढाका में लोगों ने 13 किलोमीटर लंबा मार्च निकाला। वहां विपक्ष की बुलाई रेली में पहुंचे



इन लोगों ने हसीना से इस्तेफे की मांग की। ढाका समेत 16 जाहों पर रैली निकाली गई। इस दौरान हुई हिंसा में विपक्ष की सैकड़ों लोग घायल हो गए। लोकल मीडिया के मुताबिक बांगलादेश के मुख्य विधायिका दल बांगलादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने फिर से चुनाव करने की मांग को लेकर इन रैलीयों का आयोजन किया था। बांगलादेश में विपक्ष काफी समय से सोचातारी पार्टी (बांगलादेश आयामी लीग) हिंसा में विपक्ष दल के

कार्यकर्ता की मौत हो गई, जबकि सैकड़ों लोग घायल हो गए। लोकल मीडिया के मुताबिक बांगलादेश के मुख्य विधायिका दल बांगलादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने फिर से चुनाव करने की मांग को लेकर इन रैलीयों का आयोजन किया था। बांगलादेश में विपक्ष काफी समय से सोचातारी पार्टी के बहार खंडों लोगों द्वारा कार्रवाई दल के

कार्यकर्ता की मौत हो गई, जबकि सैकड़ों लोग घायल हो गए। लोकल मीडिया के मुताबिक बांगलादेश के मुख्य विधायिका दल बांगलादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने फिर से चुनाव करने की मांग को लेकर इन रैलीयों का आयोजन किया था। बांगलादेश में विपक्ष काफी समय से सोचातारी पार्टी (बांगलादेश आयामी लीग) हिंसा में विपक्ष दल के

लीड ने छोटे शहरों में शिक्षा में बदलाव रखाव लक्ष्य

आजाद सिपाही संबाददाता

भुवनेश्वर। भारत की सबसे बड़ी स्कूल एडटेक कंपनी, लीड ने भारत में निम्न शूलक वाले स्कूल खंड में प्रवेश कर देने वाले अपनी योजनाओं की आज घोषणा की। कंपनी का उद्देश्य पूरे 'भारत' में अपर्याप्त सूचिता प्राप्त स्कूलों में उत्कृष्ण किया जाना था। उनकी अपर्याप्त सूचिता प्राप्त स्कूलों के लिए एक अपर्याप्त स्कूल एडटेक कंपनी बनना चाहिए।

लीड का उद्देश्य के साथ, लीड का काम करने वाले स्कूल एडटेक कंपनी बनना चाहिए। लीड का उद्देश्य के साथ, लीड अब भारत की सबसे तेजी से विकास की अपर्याप्त स्कूलों के लिए एक अपर्याप्त स्कूल एडटेक कंपनी बनना चाहिए।

लीड का उद्देश्य के साथ, लीड का काम करने वाले स्कूल एडटेक कंपनी बनना चाहिए। लीड का उद्देश्य के साथ, लीड अब भारत की सबसे तेजी से विकास की अपर्याप्त स्कूलों के लिए एक अपर्याप्त स्कूल एडटेक कंपनी बनना चाहिए।

लीड का उद्देश्य के साथ, लीड का काम करने वाले स्कूल एडटेक कंपनी बनना चाहिए। लीड का उद्देश्य के साथ, लीड अब भारत की सबसे तेजी से विकास की अपर्याप्त स्कूलों के लिए एक अपर्याप्त स्कूल एडटेक कंपनी बनना चाहिए।

लीड का उद्देश्य के साथ, लीड का काम करने वाले स्कूल एडटेक कंपनी बनना चाहिए। लीड का उद्देश्य के साथ, लीड अब भारत की सबसे तेजी से विकास की अपर्याप्त स्कूलों के लिए एक अपर्याप्त स्कूल एडटेक कंपनी बनना चाहिए।

लीड का उद्देश्य के साथ, लीड का काम करने वाले स्कूल एडटेक कंपनी बनना चाहिए। लीड का उद्देश्य के साथ, लीड अब भारत की सबसे तेजी से विकास की अपर्याप्त स्कूलों के लिए एक अपर्याप्त स्कूल एडटेक कंपनी बनना चाहिए।

लीड का उद्देश्य के साथ, लीड का काम करने वाले स्कूल एडटेक कंपनी बनना चाहिए। लीड का उद्देश्य के साथ, लीड अब भारत की सबसे तेजी से विकास की अपर्याप्त स्कूलों के लिए एक अपर्याप्त स्कूल एडटेक कंपनी बनना चाहिए।

लीड का उद्देश्य के साथ, लीड का काम करने वाले स्कूल एडटेक कंपनी बनना चाहिए। लीड का उद्देश्य के साथ, लीड अब भारत की सबसे तेजी से विकास की अपर्याप्त स्कूलों के लिए एक अपर्याप्त स्कूल एडटेक कंपनी बनना चाहिए।

लीड का उद्देश्य के साथ, लीड का काम करने वाले स्कूल एडटेक कंपनी बनना चाहिए। लीड का उद्देश्य के साथ, लीड अब भारत की सबसे तेजी से विकास की अपर्याप्त स्कूलों के लिए एक अपर्याप्त स्कूल एडटेक कंपनी बनना चाहिए।

लीड का उद्देश्य के साथ, लीड का काम करने वाले स्कूल एडटेक कंपनी बनना चाहिए। लीड का उद्देश्य के साथ, लीड अब भारत की सबसे तेजी से विकास की अपर्याप्त स्कूलों के लिए एक अपर्याप्त स्कूल एडटेक कंपनी बनना चाहिए।

लीड का उद्देश्य के साथ, लीड का काम करने वाले स्कूल एडटेक कंपनी बनना चाहिए। लीड का उद्देश्य के साथ, लीड अब भारत की सबसे तेजी से विकास की अपर्याप्त स्कूलों के लिए एक अपर्याप्त स्कूल एडटेक कंपनी बनना चाहिए।

लीड का उद्देश्य के साथ, लीड का काम करने वाले स्कूल एडटेक कंपनी बनना चाहिए। लीड का उद्देश्य के साथ, लीड अब भारत की सबसे तेजी से विकास की अपर्याप्त स्कूलों के लिए एक अपर्याप्त स्कूल एडटेक कंपनी बनना चाहिए।

लीड का उद्देश्य के साथ, लीड का काम करने वाले स्कूल एडटेक कंपनी बनना चाहिए। लीड का उद्देश्य के साथ, लीड अब भारत की सबसे तेजी से विकास की अपर्याप्त स्कूलों के लिए एक अपर्याप्त स्कूल एडटेक कंपनी बनना चाहिए।

लीड का उद्देश्य के साथ, लीड का काम करने वाले स्कूल एडटेक कंपनी बनना चाहिए। लीड का उद्देश्य के साथ, लीड अब भारत की सबसे तेजी से विकास की अपर्याप्त स्कूलों के लिए एक अपर्याप्त स्कूल एडटेक कंपनी बनना चाहिए।

लीड का उद्देश्य के साथ, लीड का काम करने वाले स्कूल एडटेक कंपनी बनना चाहिए। लीड का उद्देश्य के साथ, लीड अब भारत की सबसे तेजी से विकास की अपर्याप्त स्कूलों के लिए एक अपर्याप्त स्कूल एडटेक कंपनी बनना चाहिए।

लीड का उद्देश्य के साथ, लीड का काम करने वाले स्कूल एडटेक कंपनी बनना